Publication : Dainik Adhikar	Subject : Rajasthan Court's Verdict Welocmed by Consumer Group
Date of Publish : 11th April 2018	Edition : Rajasthan

राजस्थान का राज्य-स्तरीय दैनिक
अधिकार
जयपुर, टोंक व भरतपुर से एक साथ प्रकाशित

प्रदेश सरकार के ई-सिगरेट के स्वास्थ्य पर प्रभाव के फैसले का उपभोक्ताओं ने किया स्वागत

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान सरकार ने वैपिंग (ई-सिगरेट) के स्वास्थ्य पर असर के आकलन के लिए एक अध्ययन कराने का ऐलान किया है। ई-सिगरेट यूजर्स का प्रतिनिधित्व करने वाले एक राष्ट्रीय संगठन एसोसिएशन ऑफवैपर्स इंडिया (एवीआई) ने राज्य सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। राज्य सरकार ने गैर तम्बाकू उत्पादों के भविष्य पर कोई फैसला लेने से पहले यह कदम उठाया है। राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री कालीचरण सराफ ने गुरुवार को राज्य सरकार के इस फैसले की घोषणा की थी। सराफने कहा कि यदि अध्ययन में इसे (ई-सिगरेट) नुकसानदेह पाया जाता है तो राज्य में इस पर प्रतिबंध लगाने से संबंधित दिशानिर्देश जारी किए जाएंगे।एवीआई ने मीडिया को उन लोगों के बारे जानकारियां मुहैया कराने की पेशकश की है, जिन्होंने तम्बाकू की सिगरेट छोड़कर ई-सिगरेट अपनाकर फायदा उठाया है। एसोसिएशन ने मंत्री से मिलकर वैश्विक स्तर पर हुए प्रतिष्ठित संगठनों द्वारा ई-सिगरेट के स्वास्थ्य पर प्रभाव से संबंधित 100 से ज्यादा अध्ययन को उनके साथ साझा करने की पेशकश की है।एवीआई के निदेशक सम्राट चौधरी ने कहा, 'हमारा मानना है कि तम्बाकू से होने वाले नुकसान में कमी के वास्ते विज्ञान आधारित सोच से भारत और राज्य में धूम्रपान करने वालों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। हमारा राज्य सरकार से इलेक्ट्रॉनिक निकोटिन डिलिवरी सिस्टम (ईएनडीएस), जिसे इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट के तौर पर भी जाना जाता है, पर नीति तैयार करते समय विज्ञान आधारित तथ्यों को संज्ञान में लेने का अनुरोध है।' चौधरी ने कहा कि ई-सिगरेट एक तकनीक विकास है, जिससे तम्बाकू उत्पादों के सेवन से होने वाले नुकसान में 95 प्रतिशत तक कमी आती है। उन्होंने कहा कि वैपिंग के विकल्प को अनुमति देना भारत में 12 करोड़ स्मोकर्स के जीवन की रक्षा के लिहाज से अहम होगा। चौधरी ने कहा कि वैज्ञानिक समुदाय में तुलनात्मक रूप से ईएनडीएस के ज्यादा सुरक्षित होने पर सहमति है। इस तथ्य को रॉयल चौलेंज फिजीशिएंस, यूकेय पब्लिक हेल्थ इंग्लैंडय नेशनल एकेडमिक्स ऑफ साइंसेज, इंजीनियरिंग मेडिसिन, यूएसएय कैंसर रिसर्च यूके और अमेरिकन कैंसर सोसायटी सहित कई ने स्वीकार किया है।निकोटिन के लोग आदी हो जाते हैं, जो तम्बाकू के जलने से पैदा होने वाला टार होता है। यह स्मोकर्स के लिए नुकसानदेह होता है।